

**बिहार राज्य में दीघा घाट पर रेलवे यात्री-जहाज दुर्घटना का शिकार**

७८. श्री नवाब सिंह चौहान : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि बिहार राज्य में दीघा घाट पर १८ अक्टूबर, १९५७ को एक रेलवे यात्री-जहाज दुर्घटना का शिकार हो गया ; यदि हां, तो इस के कारण कितनी हानि हुई ; और

(ख) दुर्घटना का कारण क्या था और जहाज में कितने यात्री यात्रा कर रहे थे ?

**ACCIDENT OF A RAILWAY PASSENGER STEAMER AT DIGHA GHAT IN BIHAR STATE**

78. SHRI NAWAB SINGH CHAU-HAN: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that a railway passenger steamer met with an accident at Digha Ghat in Bihar State on the 18th October, 1957; if so, what is the extent of loss incurred thereby; and

(b) what was the cause of the accident and how many passengers were travelling in the steamer?]

**रेलवे उमंत्रो (श्री शाहनवाज खां) :**  
(क) और (ख). जो सूचना मांगी गयी है उस का बयान सभा-घटल पर रख दिया गया है ।

**विवरण**

(क) और (ख). जो हां, १८-१०-५७ को स्टीमरों के पैंदे जमीन से लग जाने (groundings) की दो घटनाएं हुई । पहली घटना दिन में ११ बजकर १५ मिनट पर आई० जी० एन० स्टीमर एस० डब्ल्यू० एस०/मार्स के साथ हुई जिसे इस समय पूर्वोत्तर रेलवे ने किराये पर ले रखा है । दूसरी

घटना रात में ८ बजे रेलवे के अपने स्टीमर पी० एस० गोमती के साथ हुई । ये दोनों घटनाएं नदी के दक्षिणी किनारे की तरफ कुरजी गांव के सामने हुई । इन घटनाओं की वजह यह थी कि टेढ़े-मेढ़े बहाव के कारण पानी तेजी से छिछला होता गया और वहां पानी की गहराई केवल ५"—६" रह गयी थी । लगातार बालू खिसकने से गहराई एकाएक कम हो गयी थी और ऐसी हालत में जब छिछले और टेढ़े-मेढ़े रास्तों से स्टीमर गुजरने लगे तो उन्हें काबू में रखना बेहद मुश्किल हो गया । इन घटनाओं की वजह से कोई नुकसान नहीं हुआ ।

एस डब्ल्यू एस/मार्स स्टीमर में लगभग ८०० और पी० एस० गोमती में ३०८ यात्री बैठे थे ।

††THE DEPUTY MINISTER OF RAILWAYS (SHRI SHAH NAWAZ KHAN): (a) and (b). A statement furnishing the required information is placed on the Table of the House.

**STATEMENT**

(a) and (b). Yes, there were two different groundings on 18-10-57 one by I.G.N. steamer SWS|Mars at present on hire with the North Eastern Railway at 11—15 hours and another by railways' own vessel P, S. Gomati at 20 hours. Both these groundings took place opposite Kurji village towards the south bank of the river and were due to rapid shoaling in the zig-zag channels where the depth of the water was only 5'—6" and where the sand was continually moving resulting in the depth of the channel suddenly decreasing and thus making the control of vessels extremely difficult while negotiating the shallow zig-zag channels. The extent of loss as a result of these groundings was nil.

The number of passengers travelling in the steamer SWS/Mars was approximately 800 and P. S. Gomati 308.]